**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न सं. 80**

**22.12.2017 को दिया जाने वाला उत्‍तर**

 **आयातित संकेतक प्रणाली की संस्‍थापना**

**\*80. श्री हर्षवर्धन सिंह डुंगरपुर:**

 **क्‍या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्‍या यह सच है कि वर्ष 2014 से वर्ष 2017 के बीच हुई कई रेल दुर्घटनाएं कर्मचारियों की लापरवाही के कारण और घटिया तथा स्‍थानीय तौर पर निर्मित उपकरणों के इस्‍तेमाल की वजह से हुई हैं, जिससे संकेतक प्रणाली में खराबी आई;

(ख) इन दुर्घटनाओं में मारे गए तथा घायल हुए व्‍यक्तियों की संख्‍या का ब्‍यौरा क्या है;

(ग) क्‍या सरकार आयातित संकेतक प्रणाली संस्‍थापित करने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है; और

(ड.) यदि नहीं, तो इसके क्‍या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**रेल और कोयला मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (ड.) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

आयातित संकेतक प्रणाली की संस्‍थापना के संबंध में दिनांक 22.12.2017 को राज्‍य सभा में श्री हर्षवर्धन सिंह डुंगरपुर द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्‍न सं.80 के भाग (क) से (ड.) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण।**

(क) और (ख): वर्ष 2014 से 2017 के बीच कुल 11 दुर्घटनाएं हुई हैं, जो आंशिक अथवा पूरी तरह से सिगनल एवं दूरसंचार के कारण हुई हैं। ये सभी दुर्घटनाएं मानवीय चूक के कारण हुई हैं। घरेलू विनिर्मित उपकरणों के कारण कोई दुर्घटना नहीं हुई है। चूंकि इनमें घटिया गुणवत्‍ता सामग्री का उपयोग नहीं किया जाता है, इसलिए इसके कारण दुर्घटना का प्रश्‍न नहीं उठता है। सिगनल एवं दूरसंचार के कारण हुई परिणामी दुर्घटनाओं की संख्‍या और इनमें हताहत/घायल यात्रियों की संख्‍या नीचे तालिका में दी गई है:

परिणामी दुर्घटनाएं, जो सिगनल एवं दूरसंचार के कारण हुई हैं

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| वर्ष | 2014-15 | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | कुल |
| जहां एस एंड टी अनन्‍य रूप से उत्‍तरदायी है | 0 | 2 | 1 | 0 |  3 |
| जहां एस एंड टी संयुक्‍त रूप से उत्‍तरदायी है | 1 | 2 | 3 | 2 |  8 |
| कुल | 1 | 4 | 4 | 2 |  11 |
| एस एंड टी उपकरण विफलता संबंधी मामले | 0 | 0 | 0 | 0 |  0 |
| एस एंड टी स्‍टाफ उत्‍तरदायी मामले | 1 | 4 | 4 | 2 |  11 |

|  |
| --- |
| एस एंड टी के परिणामस्‍वरूप परिणामी दुर्घटनाओं में हताहत/घायल |
| हताहत | 2 | 0 | 0 | 0 | 2 |
| घायल | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| अन्‍य विभागों के साथ संयुक्‍त कारक |
| हताहत | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| घायल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कुल | 3 | 0 | 0 | 0 | 3 |

(ग) से (ड.): जी हां। रेलवे विश्‍वसनीय और सुरक्षित गाड़ी परिचालन के लिए सिगनल प्रणाली हेतु आयातित प्रौद्योगिकी मुहैया करा रही है। हाल ही में आयातित प्रौद्योगिकी पर आधारित मुहैया कराई गई कुछ प्रणालियां निम्‍नानुसार हैं:

1. डिजिटल एक्‍सल काउंटर
2. इलेक्‍ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग
3. यूरोपियन ट्रेन कंट्रोल सिस्‍टम (ईटीसीएस) लेवल-1

 रेलवे का ईटीसीएस लेवल-2 नाम से ईटीसीएस का उन्‍नत संस्‍करण मुहैया कराने का प्रस्‍ताव है। विश्‍वभर में इन प्रणालियों को यात्री वहन रेल प्रणाली में उनके प्रमाणित निष्‍पादन के आधार पर मुहैया कराया गया है। जब-कभी रेलवे आयातित प्रौद्योगिकी आधारित प्रणाली मुहैया कराती है, तो यह सुनिश्‍चित किया जाता है कि चरणबद्ध आधार पर इस प्रणाली का स्‍वदेशीकरण किया जाए।

\*\*\*\*